स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार में झारखंड को मिला तीसरा स्थान

चर्चा में क्यों?

1 नवंबर, 2022 को केंद्र सरकार ने 'स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22' के लिये चयनित विद्यालयों के नामों की घोषणा की जिसमें झारखंड को राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान मिला है।

प्रमुख बिंदु

- 'स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22' के लिये झारखंड के तीन विद्यालयों का चयन पुरस्कार हेतु किया गया है। तीनों चयनित विद्यालय माध्यमिक विद्यालय हैं, जिनमें से दो विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के और एक शहरी क्षेत्र का है। इनमें सोनाहातू का कस्तूरबा गांधी विद्यालय, नोवामुंडी का कस्तूरबा गांधी विद्यालय, तथा कदमा का उ. वि. टाटा वर्कर्स यूनियन विद्यालय शामिल हैं।
- उल्लेखनीय है कि 'स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22' के लिये देश भर से 39 विद्यालयों का चयन किया गया है, जिनमें सबसे अधिक 10 विद्यालय गुजरात के हैं।
- देश के 16 राज्यों से ही विद्यालय पुरस्कार के लिये चयनित हो सके, जिनमें से पाँच राज्य से दो-दो व सात राज्य से एक-एक विद्यालय का ही चयन हुआ है।
- 'स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22' के लिये चयनित विद्यालयों को 19 नवंबर को दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। इन विद्यालयों के प्रधानाध्यापक/वार्डेन व बाल संसद के सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा तथा विद्यालयों को पुरस्कारस्वरूप 60 हज़ार रुपए व प्रशस्ति-पत्र दिया जाएगा।
- विदित है कि स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार योजना में सरकारी व निजी, दोनों कोटि के स्कूल शामिल होते हैं। वर्ष 2021-22 के लिये 44878 स्कूलों ने पंजीयन कराया था, जिनमें से 2276 को फाइव स्टार ग्रेडिंग मिली है। वर्ष 2019-20 में 918 स्कूलों का चयन हुआ था तथा वर्ष 2017-18 में 212 स्कूलों को फाइव स्टार ग्रेडिंग मिली थी।
- 'स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22' में देश के शीर्ष राज्य:
    - गुजरात 10
    - पुदुच्चेरी 06
    - झारखंड 03
    - महाराष्ट्र 03
    - हरियाणा 02
    - पंजाब 02
    - राजस्थान 02
    - उत्तर प्रदेश 02
    - प. बंगाल 02

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/swachh-vidyalaya-award-1